A CSR initiative of DTIDC LTD.
An enterprise of Government of NCT of Delhi

chintan
environmental research and action group

DEEPER LEARNING COMICS
Deeper Learning Innovations Pvt. Ltd.

ISSUE 09-HI

दबंग गर्ल और घातकपौली का हमला

आपके दोस्त

दबंग गर्ल की सुपरपावर्स:

नैनो खिंचाव: अपने शरीर को लम्बा करके वो तुरंत दूर-दूर तक पहुँच सकती है

सुपर न्यूरॉन्स: वो अपने दिल और दिमाग दोनों को 100% क्षमता पे इस्तेमाल कर सकती है

दबंग गर्ल - एक सुपरहीरो, जो अपने दोस्तों की मदद के लिए हमेशा तैयार है

तारा - एक समझदार लड़की, जो असल में दबंग गर्ल है

मुस्कान - एक हंसमुख लड़की, जिसे सवाल करना बहुत पसंद है

चिंटू - एक भावुक लड़का, जिसे शायरी करना पसंद है

नैना - एक हरफन मौला लड़की, जो गणित और खेल में सबसे आगे है

कार्बन - नैना का बहुत होशियार कुत्ता, जो कि टीम का नया सदस्य है

आपका दुश्मन

घातकपौली - एक खतरनाक राक्षस, जिसको अपनी शक्ति प्लास्टिक से मिलती है

अध्याय - 1: क्या करें, क्या ना करें?.....पेज 04

अध्याय - 2: यहाँ भी प्लास्टिक, वहाँ भी प्लास्टिक.....पेज 19

अध्याय - 3: कौन है घातकपौली?.....पेज 31

अध्याय - 4: कोई उपाय है क्या?.....पेज 42

अध्याय - 5: क्या परिवर्तन आएगा?.....पेज 50

अध्याय - 1
क्या करें, क्या ना करें?
तड़कापुर में एक बारिश वाली सुबह, चिंटू और तारा स्कूल जाते हुए
चिंटू! जल्दी साइकिल चलाओ, नहीं तो स्कूल के लिए देर हो जाएगी।
अरे साइकिल है, रॉकेट नहीं!

कचरा घर
कचरा घर
तभी अचानक, चिंटू अपनी साइकिल रोकता है
अब क्या हुआ?
उस तरफ देख ना। मुझे लग रहा है कि कचरा हिल रहा है!

ओहो चिंटू, अभी तेरे डरने का समय नहीं है! चल-चल, जल्दी चल।
सिटी स्कूल
खतरनाक खलनायक घातकपौली बोलता है...
ये डरने का ही समय है बच्चों, क्योंकि ये घातकपौली का समय है।
कचरा घर
हा हा हा!

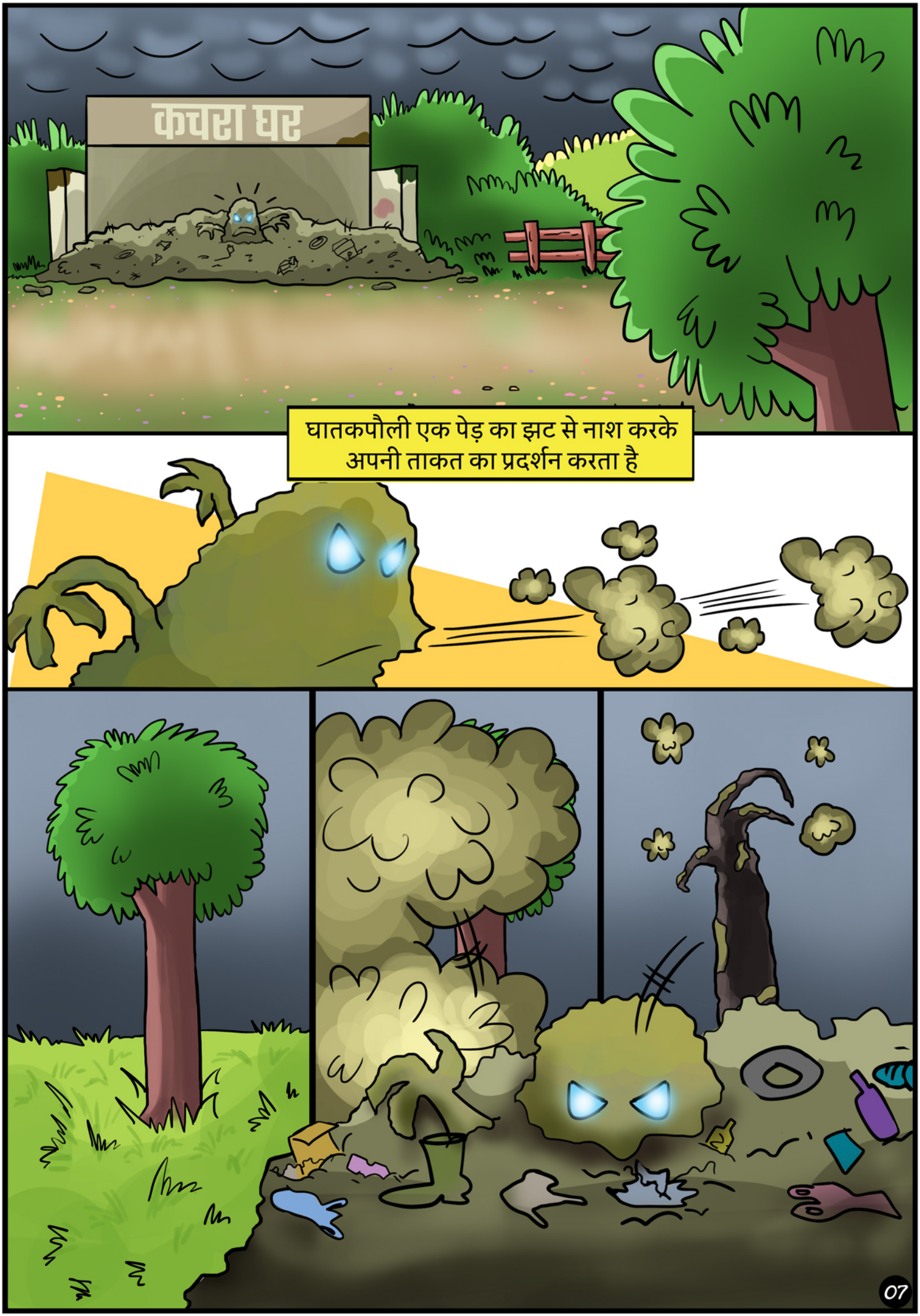
कचरा घर
घातकपौली एक पेड़ का झट से नाश करके अपनी ताकत का प्रदर्शन करता है

बच्चे क्लास में सुषमा मैम के साथ
हमारा पर्यावरण
एक पहेली लेके आयी हूँ मैं आज। बताओ तो भला, कौन हूँ मैं?
चीज़ हूँ मैं इतनी सख़्त, टूट के बन जाऊँ माइक्रोप्लास्टिक्स, पर हूँ ना कभी नष्ट।
इतना मज़बूत क्या हो सकता है?
रसायन मुझमे हैं खूब सारे, जल-वायु-धरती, सबको है खतरा बच्चों प्यारे।

मुझे आ गया!
करेले की सब्जी!
हा!
हा!
हा!
हा!
हा!
हा!
हा!
क्या चिंटू! सब्जियाँ सारी अच्छी होती हैं।
मुझे जलाओ या डुबाओ, तुम्हारा है नुकसान, इस पहेली का उत्तर है बड़ा आसान।

क्या हो सकता है इस पहेली का जवाब?
मैम...
इससे पहले कि नैना कुछ बोलती, घंटी बज जाती है
टन! टन! टन!
अच्छा, सोच के कल बताना।

स्कूल के बाद
ओ चिंटू! अकेले-अकेले क्या खा रहे हो?
मूंगफली! मेरी सबसे पसंदीदा चीज़ दुनिया में।
धरती बचाओ
सिंगल-यूज़ प्लास्टिक हटाओ
लेकिन प्लास्टिक की थैली में? कब समझोगे तुम?
इसमें कौन सी बड़ी बात है? प्लास्टिक तो हर जगह है।
अरे, हमने क्लास में इसके बारे में बात की थी ना! वो देखो...
धरती बचाओ
सिंगल-यूज़ प्लास्टिक हटाओ
एक थैली से क्या होता है?

तारा और नैना भी पहुँचते हैं
हमारे बिना क्या बातें चल रही हैं?
बातें छोड़ो, मेरा नया शेर सुनो!
है आज क्यों इतनी गर्मी! सूरज जी, करो हमपे थोड़ी नरमी...
अरे गौर से सुनिये...
नहीं!!!
है आज क्यों इतनी गर्मी! सूरज जी, करो हमपे थोड़ी नरमी...
प्लास्टिक को लेके इतनी ग़लतफहमी, मुस्कान जी, ना करो ऐसी बेरहमी!

लगता है चिंटू के अंदर का शायर आज फिर से जाग गया है।
शायर मेरे अंदर का कभी सोता नहीं, सच्चा कवि कभी चुप होता नहीं... वाह वाह!!!
शायरी करना इतना आसान नहीं होता, वरना तुम्हारा नाम भी चिंटू ग़ालिब होता!
मैं आज जल्दी घर जाऊँगी... मुझे जाते-जाते ब्रेड भी खरीदनी है।
याद रखना, ब्रेड कपड़े के झोले में लेना, प्लास्टिक की थैली में नहीं।
फिर से वही बातें!

क्यों ना इन सबको एक दूसरे तरीके से समझाया जाए?
दबंग गर्ल बन के आती हूँ!
ये तारा फिर से गायब हो गई?
शायद डर गई कि मुस्कान एक और भाषण देगी।
यह जगह ठीक रहेगी।

फूफू!

आई रे, आई रे, दबंग गर्ल आई रे!

दबंग गर्ल आती है
दोस्तों, अगर आज समय है तो क्यों ना पिकनिक पर चलें?
दबंग गर्ल! तुम यहाँ कैसे? बिलकुल चलेंगे।
पढ़ाई के अलावा मेरे पास हर चीज़ के लिए समय रहता है... ही ही ही!
ब्रेड को थोड़ा इंतज़ार करना पड़ेगा!
तो चलो, आज हम तड़कापुर को एक नए तरीके से देखेंगे।

फ़पूम!
वाह! दबंग कैप्सूल! हमें इसकी सवारी पर ले चलो ना।
बिलकुल, तो चलो!

अध्याय - 2
यहाँ भी प्लास्टिक, वहाँ भी प्लास्टिक
अरे अरे! आराम से!
बहुत मज़ा आने वाला है!
कैप्सूल तड़कापुर नदी के ऊपर उड़ते हुए
ज़रा नदी को तो देखो, कितना कूड़ा है इसमें।
ध्यान से देखो, इसमें सबसे ज़्यादा कैसा कूड़ा दिख रहा है?

प्लास्टिक?
सही पहचाना, और ज़्यादातर सिंगल-यूज़ प्लास्टिक।
यानी कि वो प्लास्टिक जो हम एक बार इस्तेमाल करके फेंक देते हैं।
जैसे प्लास्टिक की थैली और चिप्स के पैकेट्स?
बिलकुल सही! कुछ सिंगल-यूज़ प्लास्टिक तो रीसाइकिल होने चला जाता है...
पर फिर भी बहुत बच जाता है।

लापरवाही से फेंका हुआ कूड़ा जीव जंतुओं को भी नुकसान पहुँचाता है।
नदियों और समुंदर में जा कर लाखों मछलियों और कछुओं की जान लेता है।

लेकिन मैं तो मछली नहीं खाता!
नमक तो खाते हो! प्लास्टिक नदियों के ज़रिये समुंदर में जाता है... और फिर नमक के साथ हमारे पेट में!
कैप्सूल तड़कापुर लैंडफिल के ऊपर उड़ते हुए
वो क्या है? एक पहाड़ लग रहा है।
वो तड़कापुर का लैंडफिल है, वहाँ कूड़ा ज़मीन में डाला जाता है।
ज़मीन के अंदर भी प्लास्टिक कभी खत्म नहीं होता।
बल्कि, माइक्रोप्लास्टिक, यानी अत्यंत सूक्ष्म प्लास्टिक के कण बन के मिट्टी को प्रदूषित करता है।

क्या हम प्लास्टिक को जला सकते हैं?
नहीं, प्लास्टिक जलता है तो वातावरण को ज़हरीली गैस से भर देता है।
तड़कापुर पार्क में
क्या दबंग गर्ल, ये भी कोई पिकनिक हुई? बस पूरे शहर का कूड़ा देखा हमने!

अर्ज़ किया है... कूड़े का ढेर, कचरे की नदी, मत करो अब देर, मुझे भूख है लगी! वाह! वाह!
गुड़!
गुड़!
गुड़!
गुड़!
.....
सब टिक्की खाने भागते हैं
चाट वाला
भैया, दो प्लेट आलू टिक्की देना, और चार चम्मच भी।
थैली भी तो दो भैया! ऐसे हाथ में पकड़े-पकड़े ले जाऊँगा क्या?
पॉली बैग्स
₹ 10/-

दबंग गर्ल गुस्से में
तुम अब भी नहीं समझे कि सिंगल-यूज़ प्लास्टिक कितना हानिकारक है!
अ अ अ अ अ...
द.. द.. दबंग गर्ल, तुम गुस्सा क्यों होती हो?
हाँ, एक-दो प्लास्टिक की थैली ही तो हैं। इससे क्या बदल जायेगा?
दबंग गर्ल हताश होकर कहीं चली जाती है

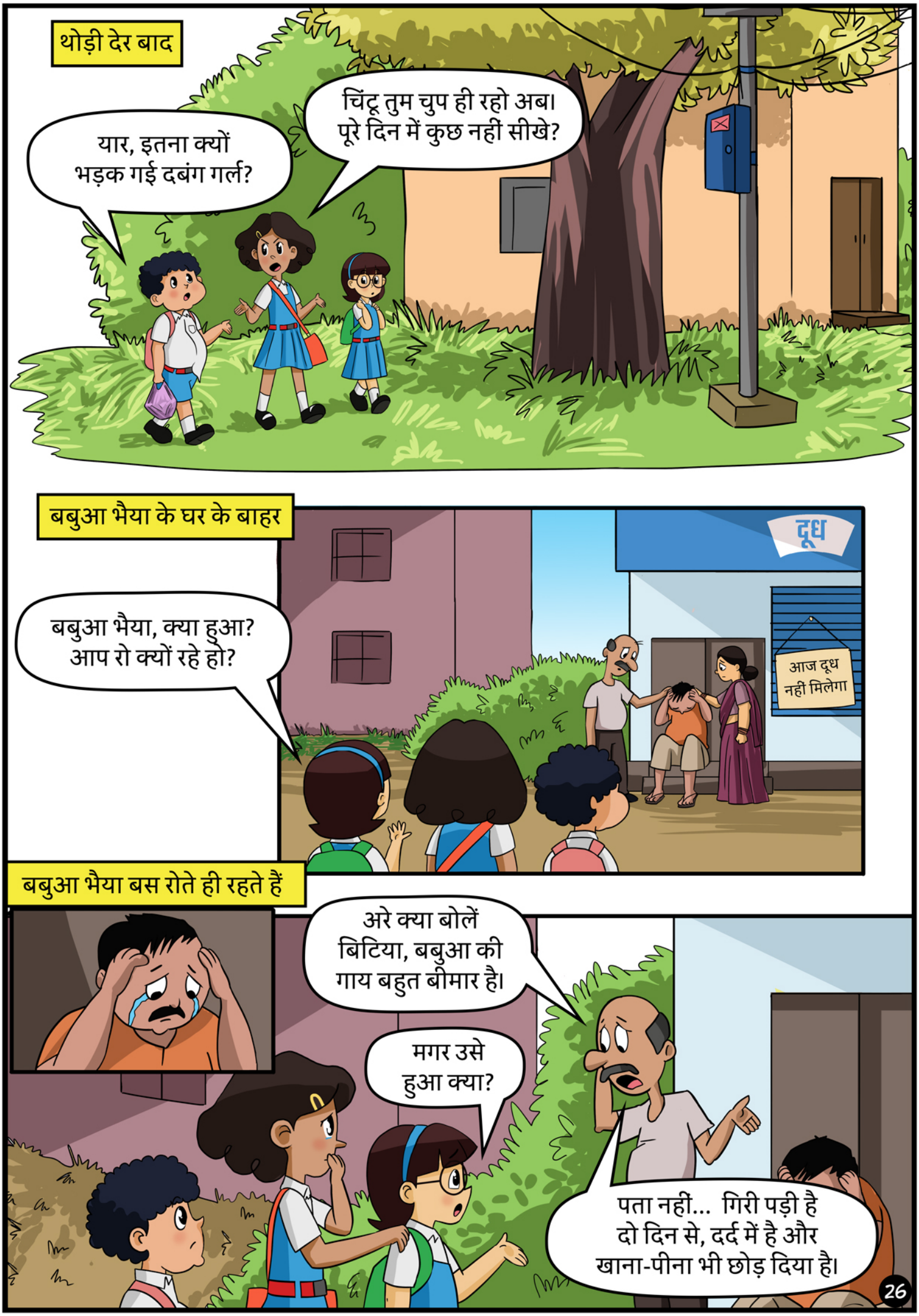
थोड़ी देर बाद
यार, इतना क्यों भड़क गई दबंग गर्ल?
चिंटू तुम चुप ही रहो अब। पूरे दिन में कुछ नहीं सीखे?
बबुआ भैया के घर के बाहर
दूध
आज दूध नहीं मिलेगा
बबुआ भैया, क्या हुआ? आप रो क्यों रहे हो?
बबुआ भैया बस रोते ही रहते हैं
अरे क्या बोलें बिटिया, बबुआ की गाय बहुत बीमार है।
मगर उसे हुआ क्या?
पता नहीं... गिरी पड़ी है दो दिन से, दर्द में है और खाना-पीना भी छोड़ दिया है।

भोली दर्द से बेहाल है
बेचारी भोली!
इसकी हालत कितनी खराब लग रही है।
बच्चे रोने लगते हैं
दबंग गर्ल रोज़ की तरह गाना गाते हुए शहर की गश्त लगा रही है
नीली शामों में, सुनसान राहों पर...
वहीं आस-पास बच्चे दबंग गर्ल को ढूंढ रहे हैं
दबंग गर्ल! दबंग गर्ल!
दबंग गर्ल बच्चों के पास पहुँचती है
क्या तुम अभी भी हमसे नाराज़ हो?
हमें माफ़ कर दो। हम बहुत दुखी हैं।
दबंग गर्ल कुछ नहीं बोलती

बबुआ भैया की गाय, भोली, बहुत बीमार है।
मैं जानती हूँ। पर घबराओ मत, मैं उसको डॉक्टर के पास ले गई थी।
उन्होंने वक़्त रहते ऑपरेशन करके उसको बचा लिया। पर उसको पूरा ठीक होने में अभी समय लगेगा।
तुम्हे पता है उसके पेट में से क्या निकला?
गोबर?

नहीं, 30 किलो प्लास्टिक!
आआआ अच्छा सॉरी!
प्लास्टिक? और वो भी मेरे वज़न के बराबर?
भोली ना जाने कितने महीनों से सड़क पर पड़े प्लास्टिक के थैले खा रही थी। प्लास्टिक ने उसकी इंटेस्टाइन्स को ब्लॉक कर दिया था।
अगर हमने कुछ नहीं किया, तो भोली की तरह पूरी दुनिया भुगतेगी।
पूरी दुनिया? क्या ऐसा हो सकता है?

और हमारे साथ तो दबंग गर्ल है, जो सबको अकेले ही बचा सकती है। है ना?
यह अलग तरह की लड़ाई है जो मैं अकेले नहीं लड़ सकती। सबकी ज़रुरत है।
लगता है मुझे दिखाना ही पड़ेगा तुम्हें। चलो एक और सफर पर।
क़बूम!

अध्याय - 3
कौन है घातकपौली?
अब हम कहाँ जा रहे हैं?
जल्द ही पता चल जायेगा, चिंटू।
कैप्सूल गायब हो जाती है
फूश !
बाहर तो बस अंधेरा है। लगता है हम किसी दूसरे ग्रह पर जा रहे हैं।
इतने सारे बटन! मेरा तो सर ही घूम गया!
सुनो, सुनो, गौर से सुनो!
हा!
हा!
हा!
हा!
हा!
हा!
हा!

हम अपनी मंज़िल पर पहुँचने वाले हैं।
लेकिन बाहर खतरा है, इसलिए ये मास्क पहन लो।
ये हम लोग कौन से ग्रह पर आ गए?
पहचाना नहीं? ये तड़कापुर ही है। बस साल 2060 है।
2060? लेकिन ये कैसे हो सकता है?
हम भविष्य में आ गए! दबंग गर्ल की कैप्सूल का कमाल!
तुमने हमें ये मास्क क्यों पहनाया?
क्योंकि अब धरती की हवा ज़हरीली गैस से भरी हुई है।

इस जगह तुम्हारा स्कूल हुआ करता था।
सिटी स्कूल
ये सब कैसे हुआ दबंग गर्ल?
ये हम इन्सानों की करतूत है... हम धरती को प्लास्टिक से प्रदूषित करते रहे।
और बना दिया एक भयानक खलनायक, घातकपौली!

दबंग गर्ल, घातकपौली कौन है?
घातकपौली एक खतरनाक दरिन्दा है। उसे अपनी ताकत प्लास्टिक से हुए प्रदूषण से मिलती है।
और उसने धरती का नाश किया? सब लोग कहाँ गए?
जो थोड़े इन्सान और जीव बचे, वो मंगल ग्रह पर बंद घरों में हैं अब।

तभी कूड़े का ढेर अचानक बड़ा होता है
दबंग गर्ल, ये क्या? ये कूड़ा हिल क्यों रहा है?
पीछे हटो दोस्तों, घातकपौली जाग रहा है। मैं इससे निपटती हूँ।
मुझसे बच के कहाँ जाओगी, दबंग गर्ल!
इतना घमंड अच्छा नहीं, घातकपौली। देखो मेरा कमाल!
हा हा हा!

दबंग गर्ल घातकपौली को बाँध देती है
फ़टैक!
पर घातकपौली पिघल के निकल जाता है
हा हा हा!
ओह नहीं!
झपाक!

घातकपौली प्लास्टिक के कूड़े से तलवार बनाता है
घातकपौली का तलवार से वार
पर दबंग गर्ल की ढाल को ना तोड़ पायेगा कोई
फड़ाक!

कमाल कर दिया, दबंग गर्ल!
चुप!
घातकपौली बच्चों की तरफ बढ़ता है
अरे बच्चों, डरो नहीं। मुझे तो दुनिया ने ही बनाया है।
घातकपौली!!!

दबंग गर्ल का ज़ोर का वार!
धाड़!!!
दोस्तों, ये बहुत ताक़तवर है। हम ऐसे नहीं जीत पाएंगे। इससे पहले कि ये फिर से उठे, चलो कैप्सूल में!
घातकपौली प्लास्टिक के बड़े-बड़े ढेलों से कैप्सूल पे वार करता है!
अब हम क्या करेंगे?
घबराओ मत, बस अपनी कुर्सी की पेटी बाँध लो!

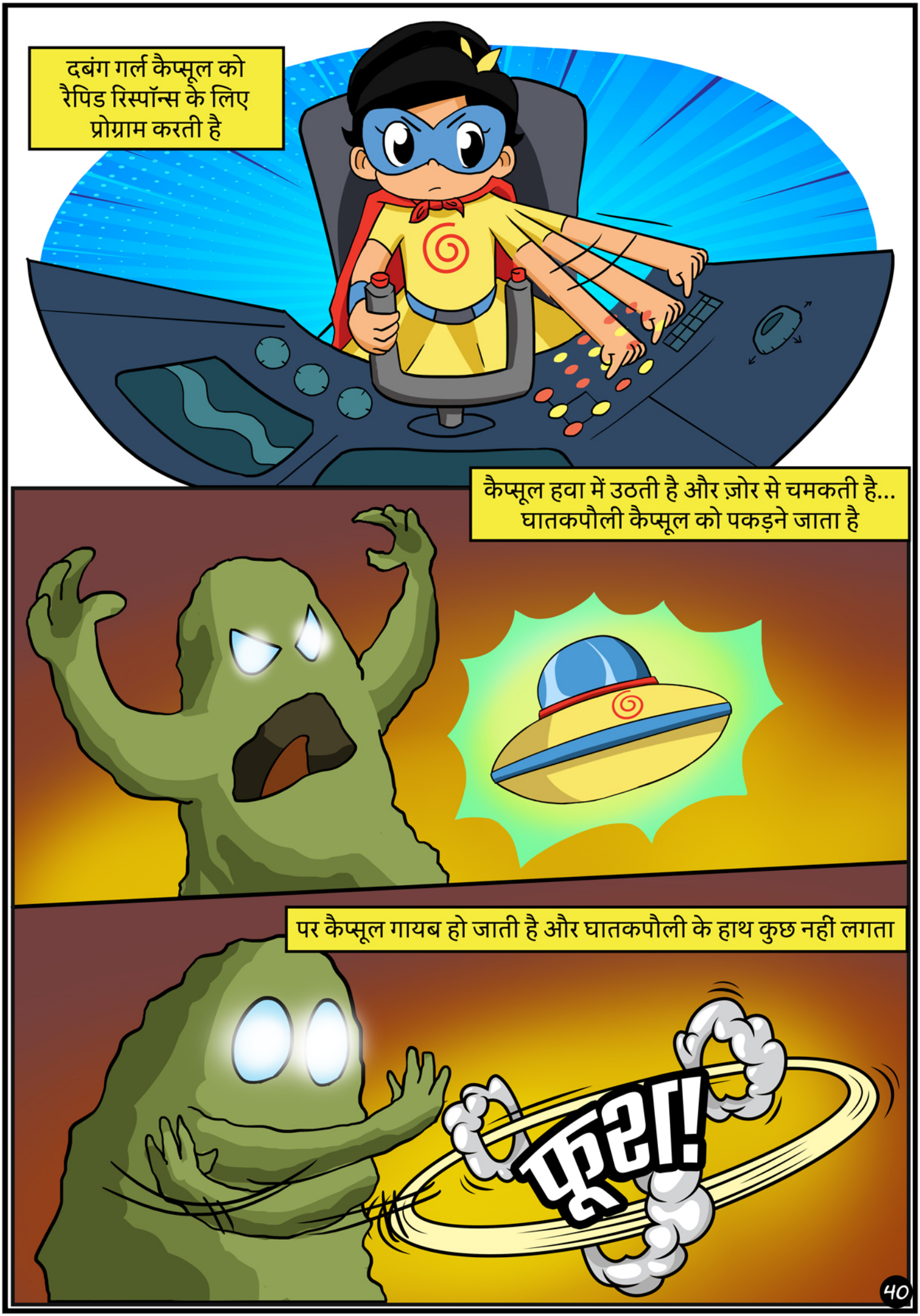
दबंग गर्ल कैप्सूल को रैपिड रिस्पॉन्स के लिए प्रोग्राम करती है
कैप्सूल हवा में उठती है और ज़ोर से चमकती है... घातकपौली कैप्सूल को पकड़ने जाता है
पर कैप्सूल गायब हो जाती है और घातकपौली के हाथ कुछ नहीं लगता
फूस!

कैप्सूल वापस अभी के समय में
बाल-बाल बचे हम लोग!
धन्यवाद, दबंग गर्ल!
पर अब तो बहुत देर हो गई है! धरती नहीं बचेगी अब!
दुखी नहीं हो, चिंटू।
तुम बहुत कुछ कर सकते हो भविष्य को बदलने के लिए। बस दो चीज़ें याद रखो।
पहला, प्लास्टिक को करो रिड्यूस, रीयूज़, और रीसाइकिल।
और दूसरा?
हम सबको मिल कर करना होगा!

अध्याय - 4
कोई उपाय है क्या?
अगले दिन
इस घातकपौली से लड़ें तो कैसे लड़ें?
वही तो! दबंग गर्ल ने फॉर्मूला तो दे दिया, मगर शुरू कहाँ से करें?
चलो सारा आंटी के पास। वो पर्यावरण वैज्ञानिक हैं। वही कोई रास्ता बता सकती हैं।
सारा आंटी की लेबोरेटरी में
दबंग गर्ल कहती है प्लास्टिक सालों-साल खत्म नहीं होता?
हाँ, वो टूटता नहीं है आसानी से क्योंकि बहुत मज़बूत कार्बन बॉन्ड से बनता है।
जानते हो, साल 2050 तक समुंदर में मछलियों से ज़्यादा प्लास्टिक होगा!
बाबा रे बाबा!
मैंने सुना है प्लास्टिक तो रीसाइकिल हो जाता है। फिर ऐसा क्यों होगा?
बहुत अच्छा सवाल है।

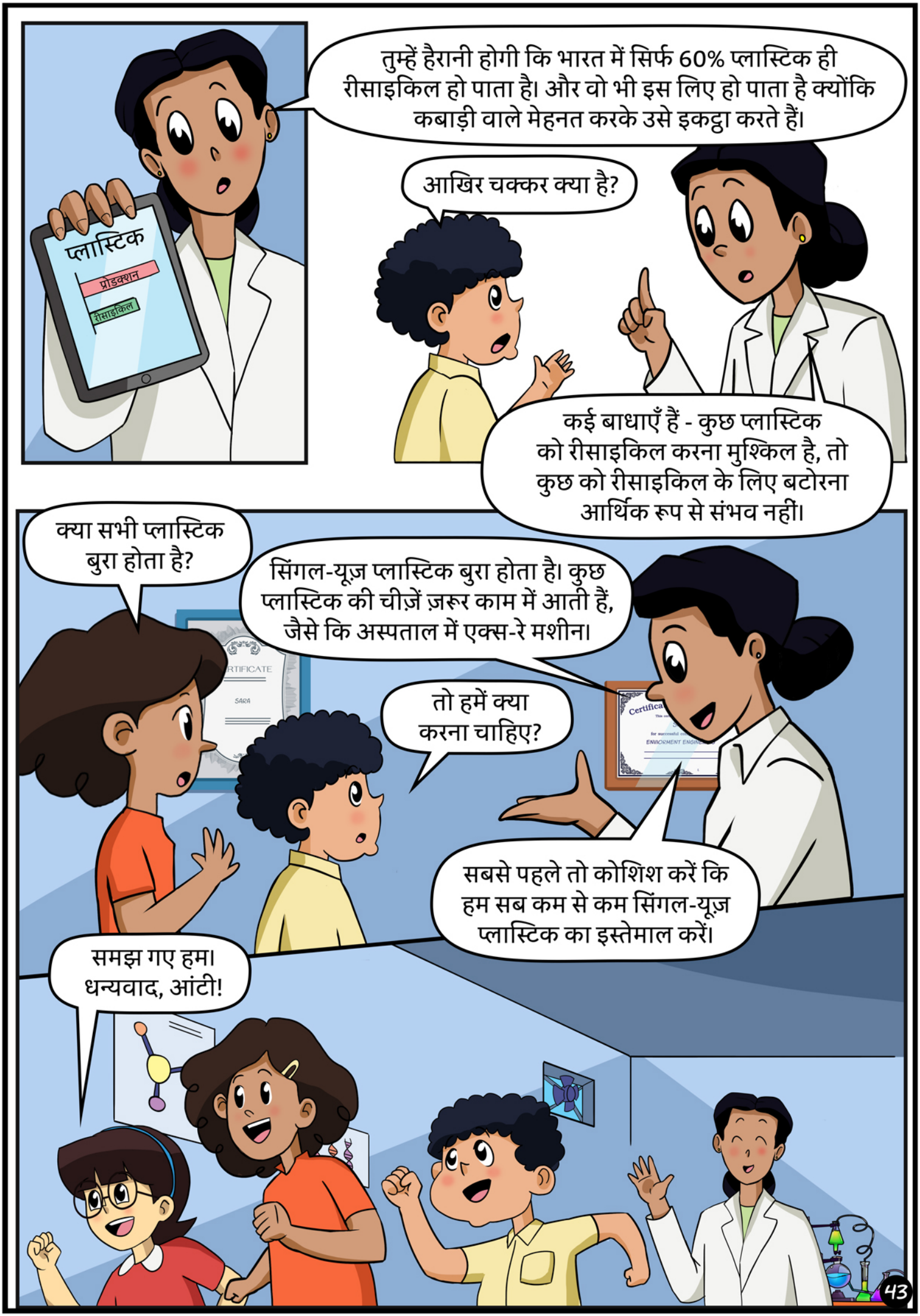
प्लास्टिक
प्रोडक्शन
रीसाइकिल
तुम्हें हैरानी होगी कि भारत में सिर्फ 60% प्लास्टिक ही रीसाइकिल हो पाता है। और वो भी इस लिए हो पाता है क्योंकि कबाड़ी वाले मेहनत करके उसे इकट्ठा करते हैं।
आखिर चक्कर क्या है?
कई बाधाएँ हैं - कुछ प्लास्टिक को रीसाइकिल करना मुश्किल है, तो कुछ को रीसाइकिल के लिए बटोरना आर्थिक रूप से संभव नहीं।
क्या सभी प्लास्टिक बुरा होता है?
सिंगल-यूज़ प्लास्टिक बुरा होता है। कुछ प्लास्टिक की चीज़ें ज़रूर काम में आती हैं, जैसे कि अस्पताल में एक्स-रे मशीन।
तो हमें क्या करना चाहिए?
सबसे पहले तो कोशिश करें कि हम सब कम से कम सिंगल-यूज़ प्लास्टिक का इस्तेमाल करें।
समझ गए हम। धन्यवाद, आंटी!

कुछ देर बाद...
अचानक, एक प्यारा सा कुत्ता उनकी तरफ भागते हुए आता है
लगता है तुम इसे बहुत पसंद हो, नैना।

और मुझे भी ये बहुत प्यारा लग रहा है! क्या मैं इसे रख लूँ?
और क्या, ये तो बहुत अच्छा होगा! पर नाम क्या रखोगी इसका?

कार्बन! सारा आंटी ने कहा ना कि कार्बन बॉन्ड शक्तिशाली होती है। हम इस कार्बन के साथ मिल के घातकपौली को सबक सिखाएंगे।
उससे याद आया, चलो हमारे मिशन के अगले पड़ाव पर फिर।

थोड़ी देर बाद मार्किट में
सबको बोल देते हैं कि सिंगल-यूज़ प्लास्टिक का इस्तेमाल ना करें।
हाँ, अली चाचा से शुरू करते हैं।
मीठा और मंगफली
अली चाचा के दोसा कॉर्नर पर
चाचा, आप दोसा और चाय प्लास्टिक में क्यों पैक करते हैं?
जैसा कि आप जानते होंगे, प्लास्टिक कितना हानिकारक है हमारे और हमारे पर्यावरण के लिए।
यम!
अरे ये सब बड़े लोगों के चोंचले हैं!
अगर अपने अंदर प्लास्टिक जाने से रोकना है, तो सिंगल-यूज़ प्लास्टिक का इस्तेमाल बंद करना होगा!
तुम बच्चे कितने नादान हो। प्लास्टिक के बिना मेरा धंधा चौपट हो जाएगा!

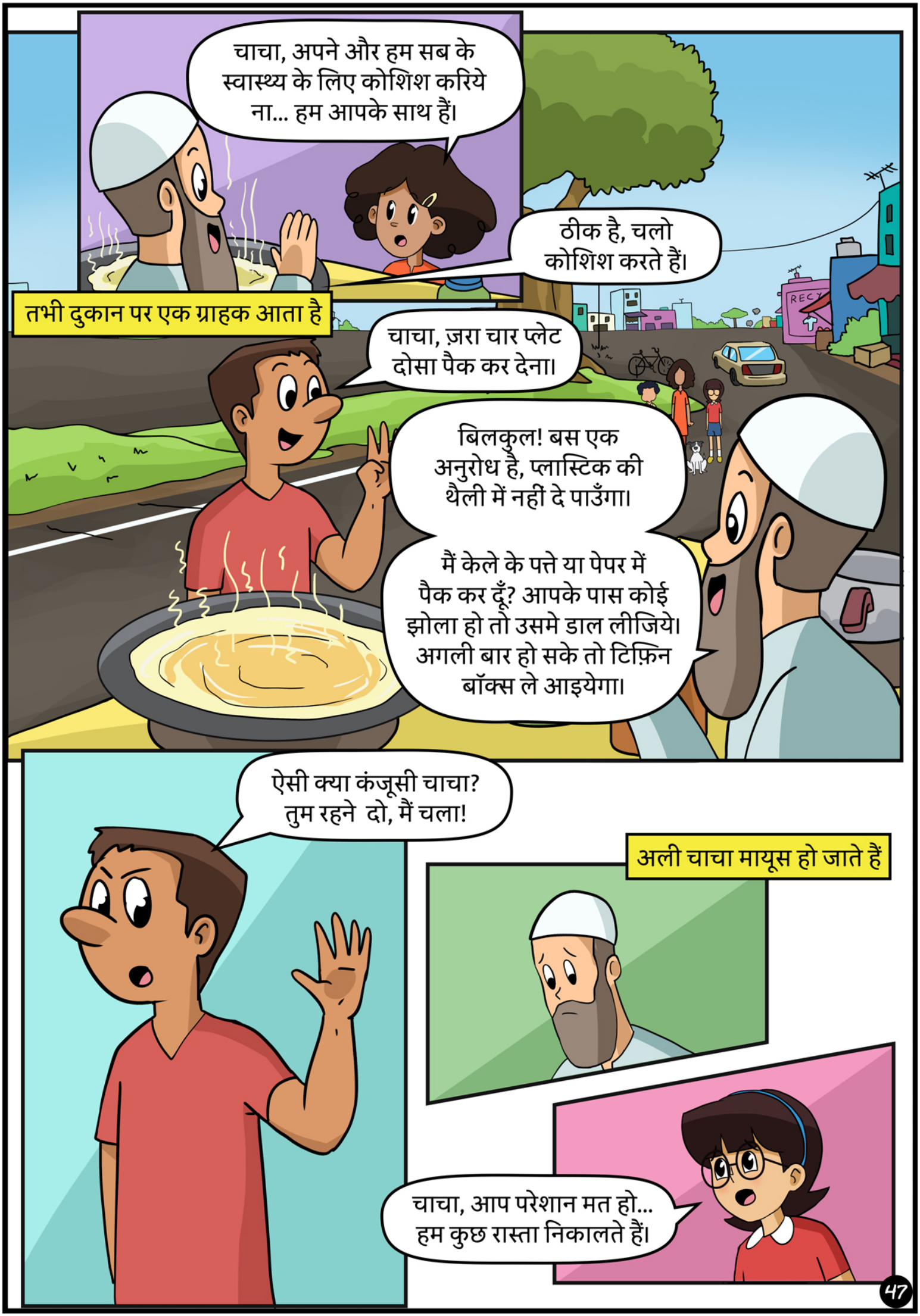
चाचा, अपने और हम सब के स्वास्थ्य के लिए कोशिश करिये ना... हम आपके साथ हैं।
ठीक है, चलो कोशिश करते हैं।
तभी दुकान पर एक ग्राहक आता है
चाचा, ज़रा चार प्लेट दोसा पैक कर देना।
बिलकुल! बस एक अनुरोध है, प्लास्टिक की थैली में नहीं दे पाउँगा।
मैं केले के पत्ते या पेपर में पैक कर दूँ? आपके पास कोई झोला हो तो उसमे डाल लीजिये। अगली बार हो सके तो टिफ़िन बॉक्स ले आइयेगा।
ऐसी क्या कंजूसी चाचा? तुम रहने दो, मैं चला!
अली चाचा मायूस हो जाते हैं
चाचा, आप परेशान मत हो... हम कुछ रास्ता निकालते हैं।

जगन अंकल, जो कूड़े में से प्लास्टिक और अन्य सूखा कूड़ा बीनते हैं, एक कूड़ाघर के बाहर हैं
जगन अंकल, आपको तो पता ही है प्लास्टिक का प्रयोग कितना बढ़ गया है।
तो कूड़ा उठाते समय क्यों ना सारी प्लास्टिक अलग कर के रीसाइक्लिंग के लिए भेज दी जाए?
इतना आसान नहीं है।
पहले लोग सूखे कूड़े को अलग करना सीखें! अभी तो हमें प्लास्टिक को एक-एक करके बीनना पड़ता है।
इसके लिए हमें कूड़े को छूना पड़ता है। इसीलिए हाथ कटना या तबियत खराब होना हमारे लिए आम बात है।
तो अगर हम खुद प्लास्टिक का कूड़ा अलग करके फेंके, तो क्या आपको आसानी होगी?
थोड़ी आसानी तो होगी। मगर याद रहे, सारा प्लास्टिक रीसाइकिल नहीं होता।
हम्म्म... लोगों की सोच में भी बदलाव लाना होगा, तभी ये मुश्किल आसान होगी।
गीला कूड़ा
सूखा कूड़ा
सैनिटरी कूड़ा

शाम के समय
कचरा घर
अरे चिंटू, इतना परेशान मत हो, मैं तुम्हारा दोस्त ही हूँ।
सिंगल-यूज़ प्लास्टिक को बढ़ने दो, हम दोनों मिल के राज करेंगे!
नहीं! मैंने देखा है तुमने भविष्य में क्या किया!
नहीं नहीं... सिंगल-यूज़ प्लास्टिक को बढ़ने दो! मेरा खाना है वो!
अअअअअ...
चिंटू अपने घर पर
DBUNG CHIN 2
कितना भयानक सपना था!

अध्याय - 5
क्या परिवर्तन आएगा?
अगले दिन, क्लास में
तो क्या तुम्हे पहेली का जवाब मिला?
हाँ मैम, जवाब है प्लास्टिक!
सही जवाब... और उससे क्या नुकसान हैं?
मैम, नुकसान देखना है तो भविष्य में जाके देखिये!
अरे क्या हुआ, चिंटू?
अब तो बहुत देर हो गयी है!

घातकपौली हम सबको मार देगा।
हम्म... मुझे कुछ समझ नहीं आ रहा।
चुप कर चिन्टू... कुछ भी बोलता है।
मैम, चिंटू बस यह कह रहा है कि हमें सिंगल-यूज़ प्लास्टिक से हुए प्रदूषण से लड़ना होगा।
सही कहा! तो इसके लिए हम क्या कर सकते हैं?
साथ मिलके हम जल्दी ही बहुत कुछ कर सकते हैं।
हाँ! खुद से शुरू करेंगे, फिर समाज, देश, और दुनिया बदलेंगे!
हम रिड्यूस, रीयूज़, और रीसाइकिल करेंगे!

रिड्यूस यानी कम उपयोग, सिंगल-यूज़ प्लास्टिक का।
जैसे की प्लास्टिक की प्लेट और थैले की जगह स्टील के बर्तन और कपड़े के झोले प्रयोग करेंगे।
रीयूज़ यानी पुनः उपयोग।
जहाँ तक हो, ऐसी चीज़ें इस्तेमाल करेंगे जिनका पुनः प्रयोग हो सके।
रीसाइकिल यानी पुनः चक्रण।
प्लास्टिक को गीले कचरे से अलग फेकेंगे, ताकि जहाँ तक हो सके, फैक्ट्री ले जाके इनसे कुछ और बन पाए।
सूखा कूड़ा

बिलकुल सही कहा! तो सबको कैसे समझाओगे यह बात?
एक तरीका है। क्यों ना हम स्कूल का वार्षिक उत्सव 'प्लास्टिक मुक्त' मनाएँ?
शाबाश! तो इंतज़ार किस बात का, शुरू करो तैयारी!
वाह!
वाह!
वाह!
वाह!

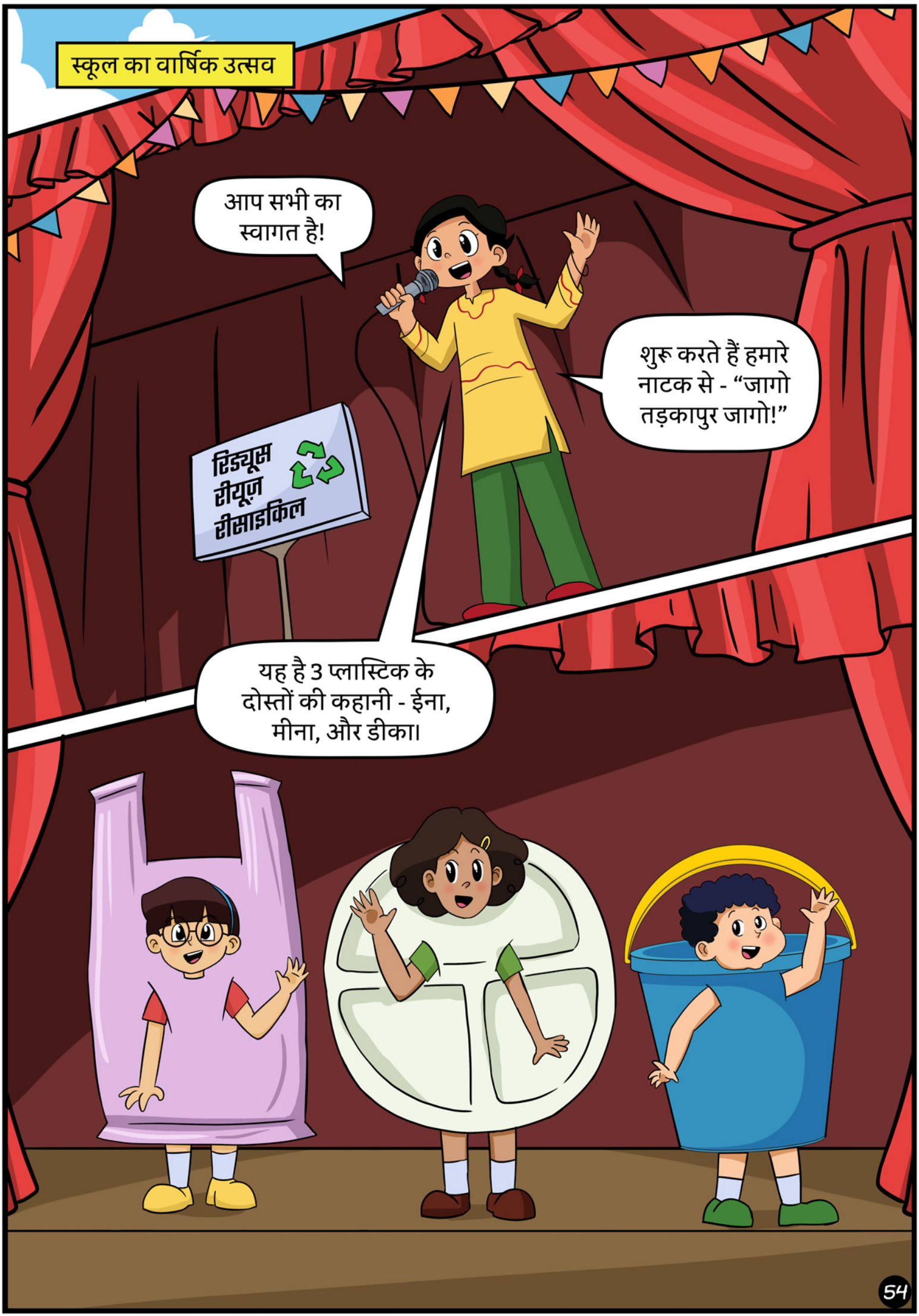
स्कूल का वार्षिक उत्सव
आप सभी का स्वागत है!
शुरू करते हैं हमारे नाटक से - "जागो तड़कापुर जागो!"
रिड्यूस
रीयूज़
रीसाइकिल
यह है 3 प्लास्टिक के दोस्तों की कहानी - ईना, मीना, और डीका।

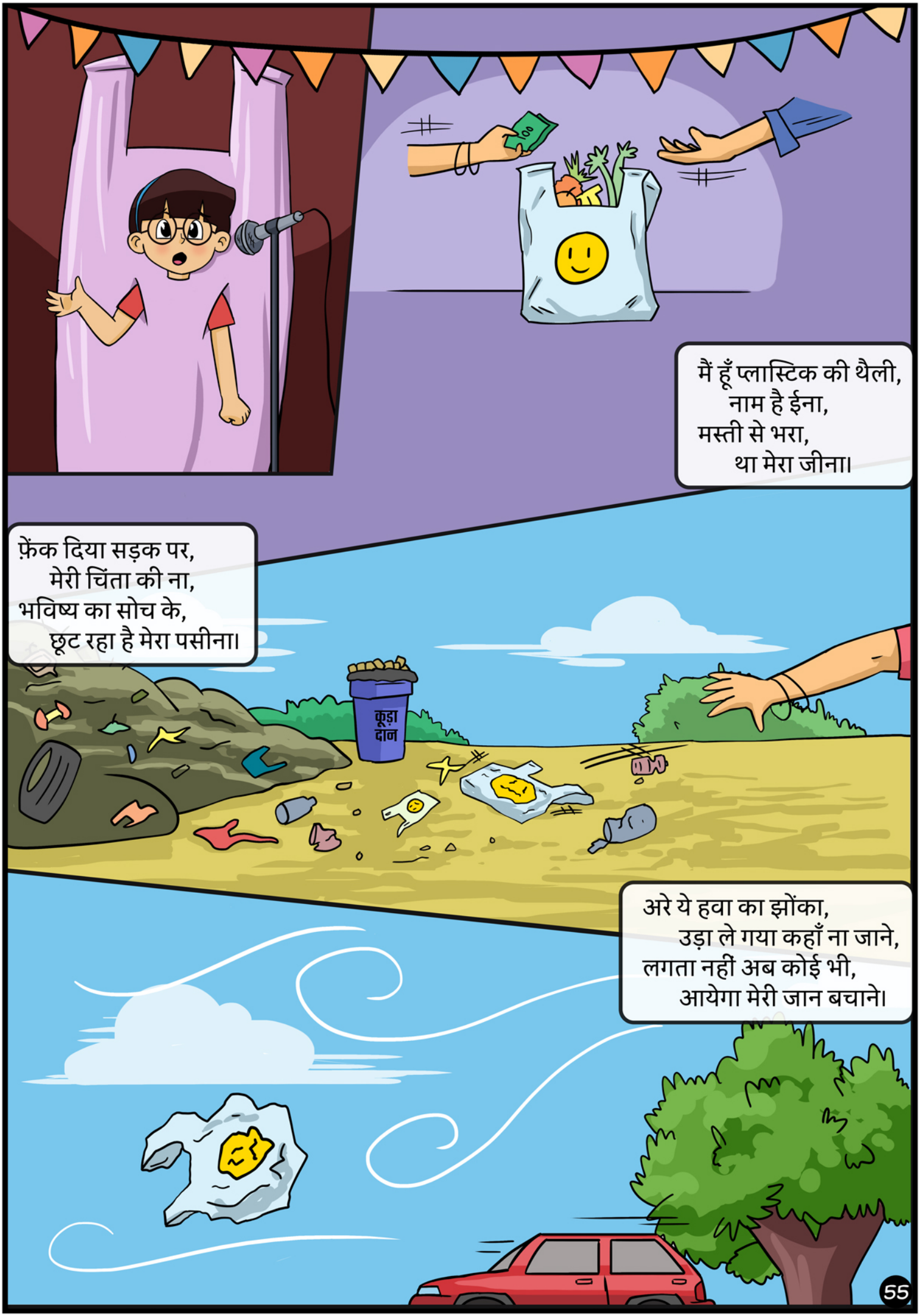
मैं हूँ प्लास्टिक की थैली,
नाम है ईना,
मस्ती से भरा,
था मेरा जीना।
फ़ेंक दिया सड़क पर,
मेरी चिंता की ना,
भविष्य का सोच के,
छूट रहा है मेरा पसीना।
कूड़ा दान
अरे ये हवा का झोंका,
उड़ा ले गया कहाँ ना जाने,
लगता नहीं अब कोई भी,
आयेगा मेरी जान बचाने।

नदी-नाले के रास्ते,
पहुँची मैं समुन्दर,
खाया मछली ने,
मैं गयी उसके अंदर।
मछली में जा के,
उसकी तबियत की खराब,
उसके अंदर के अंग,
भी देने लगे जवाब।
अब मछली के ज़रिये,
इंसान के पेट में जाऊँगी,
या टूट के माइक्रोप्लास्टिक बनूंगी,
और प्रदूषण फैलाऊँगी।

मैं हूँ प्लास्टिक की प्लेट,
नाम है मीना,
सड़ूँगी गीले कचरे के साथ,
यह कभी था सोचा ना।
दम घुटता है मेरा,
पहुँची मैं लैंडफिल,
जीती हूँ कैसे,
बस जाने मेरा ही दिल।

लेकिन मैं तो हूँ प्लास्टिक की,
ऐसे ही नष्ट थोड़ी होंगी,
धीमे-धीमे मैं तो,
मिट्टी में घुसूँगी।
फिर होगी ज़मीन प्रदूषित,
और ज़मीन से ही है इंसान जुड़ा,
उसकी ज़िन्दगी होगी प्रभावित,
मेरा होगा सफर पूरा।

सूखा
कूड़ा
मैं हूँ प्लास्टिक की बाल्टी,
नाम है डीका,
मेरी किस्मत थोड़ी बेहतर थी,
मैं रीसाइकिल कूड़ेदान में फिंका।
जब गया मैं रीसाइक्लिंग प्लांट,
मुझमें आई नई जान,
मिला और प्लास्टिक दोस्तों से,
नहा धो के पाई शान।

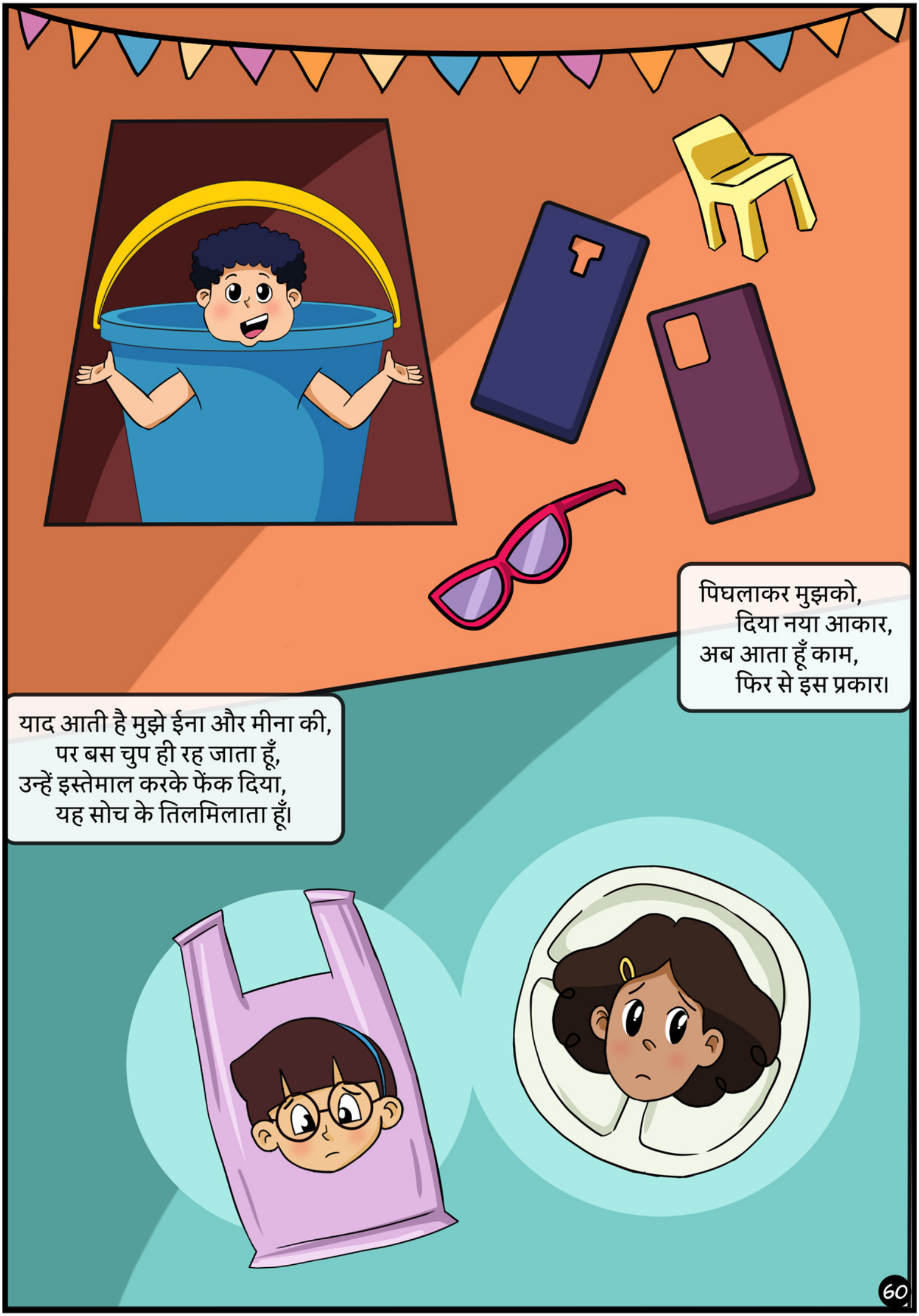
पिघलाकर मुझको,
दिया नया आकार,
अब आता हूँ काम,
फिर से इस प्रकार।
याद आती है मुझे ईना और मीना की,
पर बस चुप ही रह जाता हूँ,
उन्हें इस्तेमाल करके फेंक दिया,
यह सोच के तिलमिलाता हूँ।

ईना-मीना-डीका की कहानी से,
सीखे तड़कापुर वाले,
प्लास्टिक के भले में अपना है भला,
समझ गए दिमाग वाले।
सिंगल-यूज़ प्लास्टिक है,
सबसे बड़ी चुनौती,
इसलिए इनमें हो,
सबसे पहले कटौती।
जो कम कर सकते थे प्रयोग,
उसे कम किया,
जैसे प्लास्टिक के थैले का इस्तेमाल,
बिलकुल बंद कर दिया।
जिनको बदल सकते थे,
वहाँ वैसा ही किया,
पुनः प्रयोग वाली चीज़ों ने,
बहुत सहयोग दिया।
सूखा कूड़ा अलग करके,
प्लास्टिक रीसाइकिल भी किया,
पर रिड्यूस है रीयूज़ और रीसाइकिल से बेहतर,
इस बात को समझ लिया।
गीला कूड़ा
सूखा कूड़ा
सैनिटरी कूड़ा

हम सबका सहयोग चाहिए,
पृथ्वी की सुरक्षा में,
तड़कापुर की भी शान बढ़े,
सब थोड़ा ध्यान दें।
तो यह था हमारा नाटक। देखने के लिए धन्यवाद!
बस मैं अपनी तरफ से चार पंक्तियाँ बोलना चाहूँगी।
कोई कदम छोटा नहीं होता,
नहीं तो इंसान आज चाँद पे नहीं होता।
ना फिर से कोई भोली मरने की कगार पे आये,
जागो तड़कापुर, कहीं देर ना हो जाए!

हमने सोचा क्यों ना हम अपना सन्देश सिर्फ बोलके ही नहीं, करके भी पहुंचायें।
इसलिए आज का हमारा यह उत्सव है प्लास्टिक-मुक्त! यानी की हमने सिंगल-यूज़ प्लास्टिक के किसी सामान का इस्तेमाल नहीं किया है।
और हमारा नाटक काल्पनिक नहीं है।
बबुआ भैया ने खुद ही देखा भोली के पेट से 30 किलो प्लास्टिक निकलते हुए।
दर्शकों में बैठे हुए बबुआ भैया बोलते हैं
सही कहा, बच्चों... मैं तुम्हारे सुझाव ज़रूर अपनाऊंगा।

तालियों की गूँज में ऐसा लगा, जैसे परिवर्तन की शुरुआत हो गयी थी

कुछ दिन बाद, मार्किट में
ये सब्ज़ी प्लास्टिक की थैली में दे दूँ?
नहीं नहीं... मैं कपड़े का झोला लायी हूँ।
बगल की दुकान में
मेरे पास प्लास्टिक नहीं है। क्या पेपर या पत्ते में बाँध दूँ दोसा?
हाँ चाचा, मैं झोला लायी हूँ। इसमें डाल दो।
चाचा चार चाय तो देना। ये लो, मेरी बोतल में डाल दो।
अली दोसा वाला
पास खड़े बच्चे यह देखते हुए
दोस्तों, लगता है थोड़ा बदलाव तो आ रहा है।

उस शाम को
मुझे तुम्हारे अभियान का असर अभी से भविष्य में दिख रहा है।
घातकपौली कमज़ोर हो रहा है।

भविष्य में उगता एक नया पेड़
देखो ना, मैं तुम्हारे लिए वहाँ से एक फोटो लायी हूँ।

क्या फिर से जाकर देखें?
हा हा हा... नहीं, अब तो तुम बड़े होकर ही देखना।

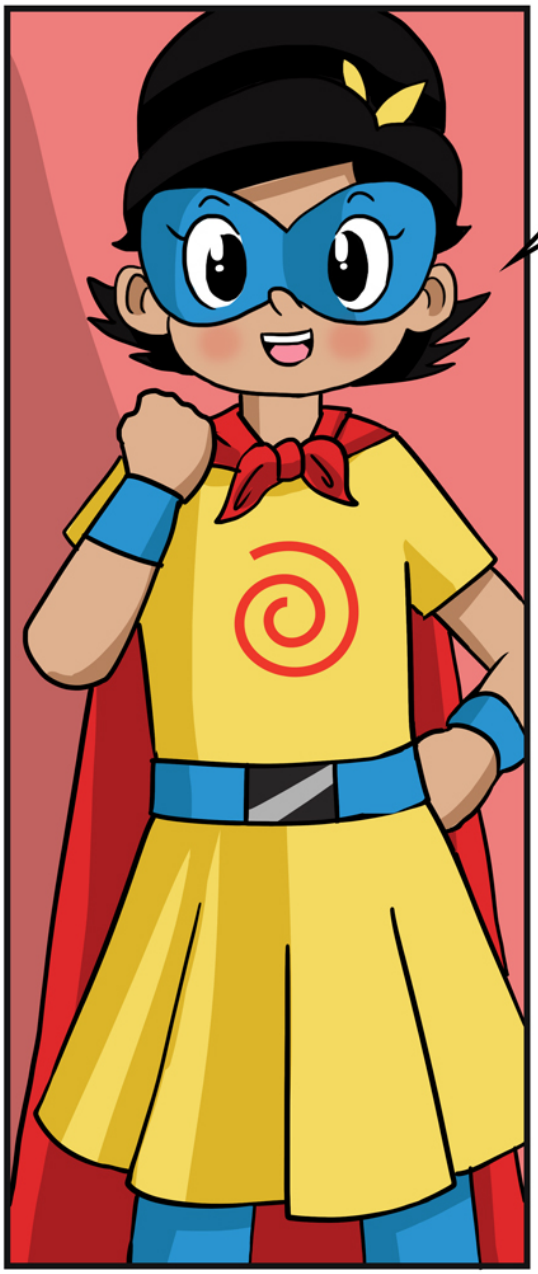
बस इतना याद रहे, घातकपौली से लड़ाई का संदेश सब तक पहुँचाना है!

इसी बात पे चिंटू ग़ालिब का शेर अर्ज़ है!

ऐ ज़ालिम प्लास्टिक तूने क्या-क्या करम किये,
चुपके-चुपके, चोरी-चोरी, दुनिया पे इतने सितम किये...
पर हम जाग गए हैं, हुई नहीं अभी भी देर, सब मिलके प्रयास करेंगे, आओ करें सिंगल-यूज़ प्लास्टिक को ढेर!

वाह!
वाह!
वाह!
समाप्त

chintan

environmental research and action group

चिंतन एक ग़ैर सरकारी संगठन है जो पर्यावरणीय और सामाजिक न्याय के लिए काम करता है। चिंतन वस्तुतः डेटा (संख्या) पर आधारित, एक सक्रिय संस्था है। चिंतन अपने काम से यह सुनिश्चित करना चाहता है कि भारत तथा सम्पूर्ण विश्व में संसाधनों की खपत जिम्मेदारीपूर्ण तरीके से हो जिससे कि पृथ्वी के संसाधनों और गरीबों पर उसका दुष्प्रभाव ना हो। चिंतन चक्रीय अर्थव्यवस्था सुनिश्चित करने की चेष्टा करता है और साथ ही आधारभूत कार्यों द्वारा विषाक्तता को कम करने की कोशिश करता है। यह डेटा पर आधारित होता है और अनुसंधान और लोगों तक अपनी बात पहुंचा कर एवं कई तरीकों के प्रशिक्षण के माध्यम से होता है।

चिंतन कूड़ा प्रबंधन पर काम करता है और संस्थानों, नगर पालिकाओं और नागरिकों को संसाधनों को साझा करने, कचरे को कम करने और निरंतर खपत को कम करने के लिए प्रशिक्षण देता है, ताकि कचरे का बेहतर प्रबंधन हो सके। ऐसा कर के, चिंतन कूड़ा बीनने वाले और रीसाइक्लर्स के लिए आजीविका के अवसर उत्पन्न करता है और वि-केंद्रीकृत कूड़ा प्रबंधन को सक्षम बनाता है। चिंतन अपने शिक्षा कार्यक्रम द्वारा रीसाइक्लिंग में बाल श्रम को रोकने के लिए कार्य करता है। विभिन्न प्रशिक्षण आयोजनों के माध्यम से, चिंतन, विज्ञान और पर्यावरण सम्बन्धी नियमों को आम जनता तक पहुंचाता है , और इस तरह वायु प्रदूषण को कम करने में सहयोग देता है। चिंतन अपने सभी प्रयोजनों में और अपने सभी कामों में, आर्थिक रूप से विषम , बच्चे और महिलाओं को प्राथमिकता देने की कोशिश करता है।

@ChintanIndia.org @chintan.india @ChintanIndia

http://www.chintan-india.org/

लीडर
#DabungGirl

दबंग गर्ल एक भारतीय सुपरहीरो है जो सामाजिक न्याय और लैंगिक समानता की दिशा में काम करती है।

निर्भय
#DabungGirl

@DabungGirl

+91-8287672077

reach@DabungGirl.com

बहादुर
#DabungGirl

वह बच्चों को अपने भीतर के नायक को महसूस करके समस्याओं का समाधान खोजने के लिए प्रेरित करती है।

/DabungGirl

~~मजबूत~~
#DabungGirl

आत्मविश्वासी
#DabungGirl

होशियार
#DabungGirl

~~नाज़ुक~~
#DabungGirl

@dabung.girl

दोस्तों की दोस्त
#DabungGirl

/c/DabungGirl

~~गतलवी~~
#DabungGirl

ज़िंदादिल
#DabungGirl

जिज्ञासु
#DabungGirl

वह बच्चों की कल्पना और आत्मविश्वास को पंख देती है।

हमदर्द
#DabungGirl

DabungGirl.com

An initiative of Deeper Learning Innovations Pvt. Ltd. (DLIPL)

रंग भरो

लेखक: सौरभ अग्रवाल और अभिषेक सिंह

नॉलेज पार्टनर: चिंतन एनवायर्नमेंटल रिसर्च एंड एक्शन ग्रुप

चित्रकार: प्रियांश शर्मा

डिजाइन परिष्करण: अभिश्री मित्तल

कुछ विशेष लोगों को धन्यवाद: रागिनी शंकर सिन्हा, आनंद प्रकाश सिंह, नेहा अग्रवाल, नीतिमा प्रकाश, अभिश्रेय मित्तल

अस्वीकरण: इस पुस्तक की कहानी एक काल्पनिक रचना है। इस कहानी के सभी पात्र, उनके नाम और घटनाएं काल्पनिक है, इसका किसी भी व्यक्ति या घटना से कोई संबंध नहीं है। यदि किसी भी जीवित या मृत व्यक्ति से समानता पाई जाती है तो ये मात्र एक संयोग होगा।

इस पुस्तक का उद्देश्य किसी भी वैज्ञानिक अनुसंधान और प्लास्टिक के समाधान पर विकल्प प्रस्तुत करना नहीं है।

इस पुस्तक का कोई भी भाग, चिंतन एनवायर्नमेंटल रिसर्च एंड एक्शन ग्रुप या डीपर लर्निंग इन्नोवेशंस प्राइवेट लिमिटेड की अनुमति के बिना, किसी भी तरह से उपयोग या पुन: प्रस्तुत नहीं किया जा सकता है।

Copyright © 2021 Deeper Learning Innovations Pvt. Ltd. AND Chintan Environmental Research and Action Group. All Rights Reserved.

डीपर लर्निंग इन्नोवेशंस प्राइवेट लिमिटेड द्वारा प्रकाशित।
ब्रांड और ट्रेडमार्क 'दबंग गर्ल' डीपर लर्निंग इन्नोवेशंस प्राइवेट लिमिटेड का है।

अपने किसी भी प्रश्नों के लिए जो कि वेस्ट और एनवायर्नमेंटल इम्पैक्ट से जुड़े हुए हों, चिंतन एनवायर्नमेंटल रिसर्च एंड एक्शन ग्रुप से इस पर मेल करें INFO@CHINTAN-INDIA.ORG

दबंग गर्ल से जुड़े अपने प्रश्नों और टिप्पणियों को मेल करें: reach@DabungGirl.com